कैंसर की बढ़ती चिंताएँ

प्रिलिम्स के लिये:

कैंसर, कैंसर का वैश्विक प्रभाव, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

मेन्स के लिये:

स्वास्थ्य, शिक्षा से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे, भारत में कैंसर के विभिन्न रूपों के बढ़ते मामले और स्वास्थ्य क्षेत्र पर इसका प्रभाव।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

चर्चा में क्यों?

कैंसर पत्रिका में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में पूर्वानुमान किया गया है कि वर्ष 2022 के अनुमान की तुलना में 2050 तक वैश्विक स्तर पर पुरुषों में कैंसर के मामलों में 84.3% की वृद्धि होगी तथा कैंसर से होने वाली मौतों की संख्या में 93.2% की वृद्धि होगी।

- यह चिंताजनक प्रवृत्ति एक महत्त्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती को रेखांकित करती है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष क्या हैं?

- **कैंसर के मामलों और मृत्यु में अनुमानित वृद्धि:** अध्ययन में बताया गया है कि 2050 तक पुरुषों में कैंसर के मामले बढ़कर 19 मिलियन हो जाएंगे, जबकि कैंसर से होने वाली मृत्यु 10.5 मिलियन तक पहुँचने की उम्मीद है।
  - **विशिष्ट कैंसर प्रकारों का अनुमान:** वर्ष 2022 से 2050 तक **मेसोथेलियोमा (फेफड़ों के कैंसर का सबसे आम प्रकार)** के मामलों में 105.5% की वृद्धि और प्रोस्टेट कैंसर से होने वाली मौतों में 136.4% की वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि **वृषण कैंसर में सबसे कम वृद्धि होगी, जिसमें घटनाओं में 22.7% और मृत्यु में 40% की** वृद्धि होगी।
- **फेफड़े के कैंसर का प्रभुत्व: फेफड़े के कैंसर के घटना और मृत्यु दर दोनों में अग्रणी प्रकार का कैंसर** बने रहने की उम्मीद है, वर्ष 2022 की तुलना में इसमें 87% से अधिक की वृद्धि का अनुमान है।
- **आयु और क्षेत्र के आधार पर असमानताएँ:** रिपोर्ट में आयु और क्षेत्र के आधार पर कैंसर की दरों में महत्त्वपूर्ण असमानताएँ बताई गईं हैं, जिसमें **वर्ष 2022 में वैश्विक स्तर पर पुरुषों में लगभग 10.3 मिलियन मामले और 5.4 मिलियन मौतें** शामिल हैं।
  - इनमें से लगभग दो-तिहाई मामले 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के वयस्कों में थे।
- **मानव विकास सूचकांक (HDI) का प्रभाव:** रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2022 से 2050 तक बहुत उच्च HDI देशों में कैंसर के मामलों में 50.2% की वृद्धि होगी और निम्न HDI देशों में 138.6% की वृद्धि होगी।
  - **बहुत उच्च मानव विकास सूचकांक वाले देशों में कैंसर से होने वाली मृत्यु दर में 63.9%** तथा निम्न मानव विकास सूचकांक वाले देशों में 141.6% की वृद्धि होने की संभावना है।
- **उच्च मृत्यु दर-घटना अनुपात:** रिपोर्ट में उच्च मृत्यु दर-घटना अनुपात पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें **वृद्ध पुरुषों का अनुपात 61% है और निम्न HDI देशों में यह अनुपात 74%** है। अग्नाशय के कैंसर जैसे दुर्लभ कैंसर का अनुपात और भी अधिक 91% है, जो खराब उत्तरजीविता परिणामों को दर्शाता है।
  - **मृत्यु-से-घटना अनुपात (MIR)** एक माप है जो एक निर्दिष्ट अवधि में कैंसर से होने वाली मौतों (मृत्यु दर) की संख्या की तुलना नए कैंसर मामलों (घटना) की संख्या से करता है।

भारत में कैंसर की व्यापकता की स्थिति क्या है?

- भारत में **2022 में 1,413,316 नए मामले सामने आए,** जिनमें **महिला रोगियों (6,91,178 पुरुष और 7,22,138 महिलाएँ) का अनुपात** अधिक था।
- 1,92,020 नए मामलों के साथ **स्तन कैंसर** का अनुपात सबसे अधिक है, जो सभी **रोगियों में 13.6 प्रतिशत और महिलाओं में 26 प्रतिशत** से

अधिक है।

- भारत में स्तन कैंसर के बाद होंठ और **मुख गुहा** (1,43,759 नए मामले, 10.2%), **गर्भाशय ग्रीवा (Cervix) और गर्भाशय (Uterine), फेफड़े और ग्रासनली कैंसर के** मामले सामने आए।
    - एशिया में कैंसर के बोझ का आकलन करने वाले **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** के एक हालिया अध्ययन, **जिसे द लैंसेट रीजनल हेल्थ में प्रकाशित किया गया था,** में पाया गया कि अकेले भारत में **वर्ष 2019 में वैश्विक मृत्यु के 32.9% और होंठ और मौखिक गुहा कैंसर** के 28.1% नए मामले सामने आए।
    - इसका कारण भारत, बांग्लादेश और नेपाल जैसे दक्षिण एशियाई देशों में खैनी, गुटखा, पान और पान मसाला जैसे धूम्ररहित तंबाकू (Smokeless Tobacco- SMT)) का व्यापक उपभोग है।
        - **विश्व भर में मौखिक कैंसर के 50% मामलों के लिये SMT ज़िम्मेदार है।**
- **लैंसेट ग्लोबल हेल्थ 2023** के अनुसार वैश्विक स्तर पर गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के कारण होने वाली मौतों में से 23% **भारत** में होती हैं।
    - भारत में **गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की पाँच वर्ष की उत्तरजीविता दर 51.7%** है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे उच्च आय वाले देशों की तुलना में कम है।

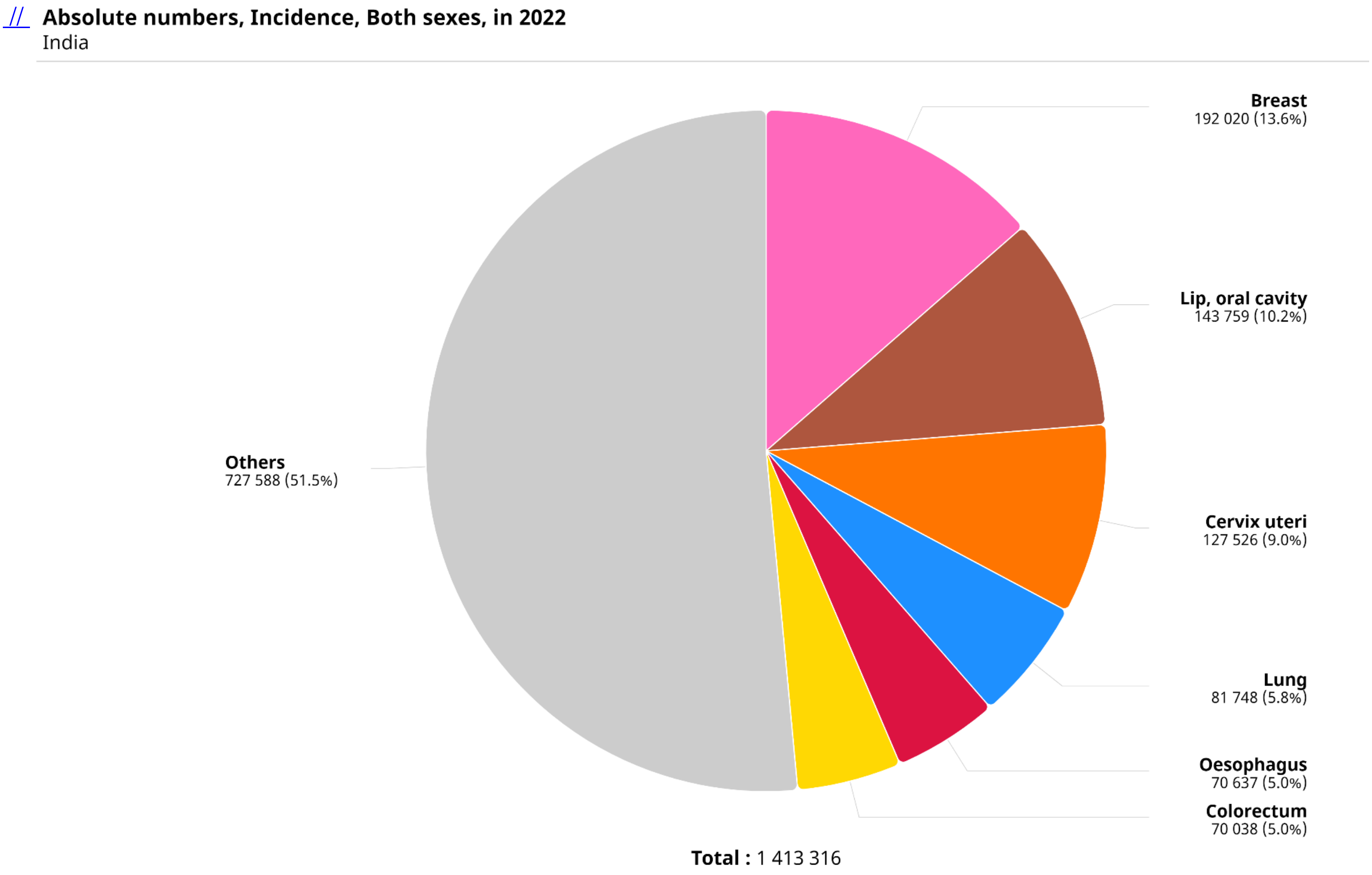

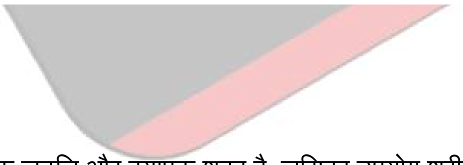

कैंसर:

- यह एक जटिल और व्यापक शब्द है, जिसका उपयोग शरीर में असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि तथा प्रसार से होने वाली बीमारियों के एक समूह का वर्णन करने के लिये किया जाता है।
    - ये असामान्य कोशिकाएँ, जिन्हें **कैंसर कोशिकाएँ** कहा जाता है, **स्वस्थ ऊतकों और अंगों** पर आक्रमण करने तथा उन्हें नष्ट करने में सक्षम होती हैं।
- एक **स्वस्थ शरीर में कोशिकाएँ विनियमित तरीके से विकसित होती हैं,** विभाजित होती हैं और नष्ट हो जाती हैं, जिससे ऊतकों तथा अंगों के सामान्य संचालन की अनुमति मिलती है।
    - हालाँकि कैंसर के मामले में कुछ **आनुवंशिक उत्परिवर्तन या असामान्यताएँ** इस सामान्य कोशिका चक्र को बाधित करती हैं, जिससे **कोशिकाएँ अनियंत्रित रूप से विभाजित** और बढ़ती हैं।

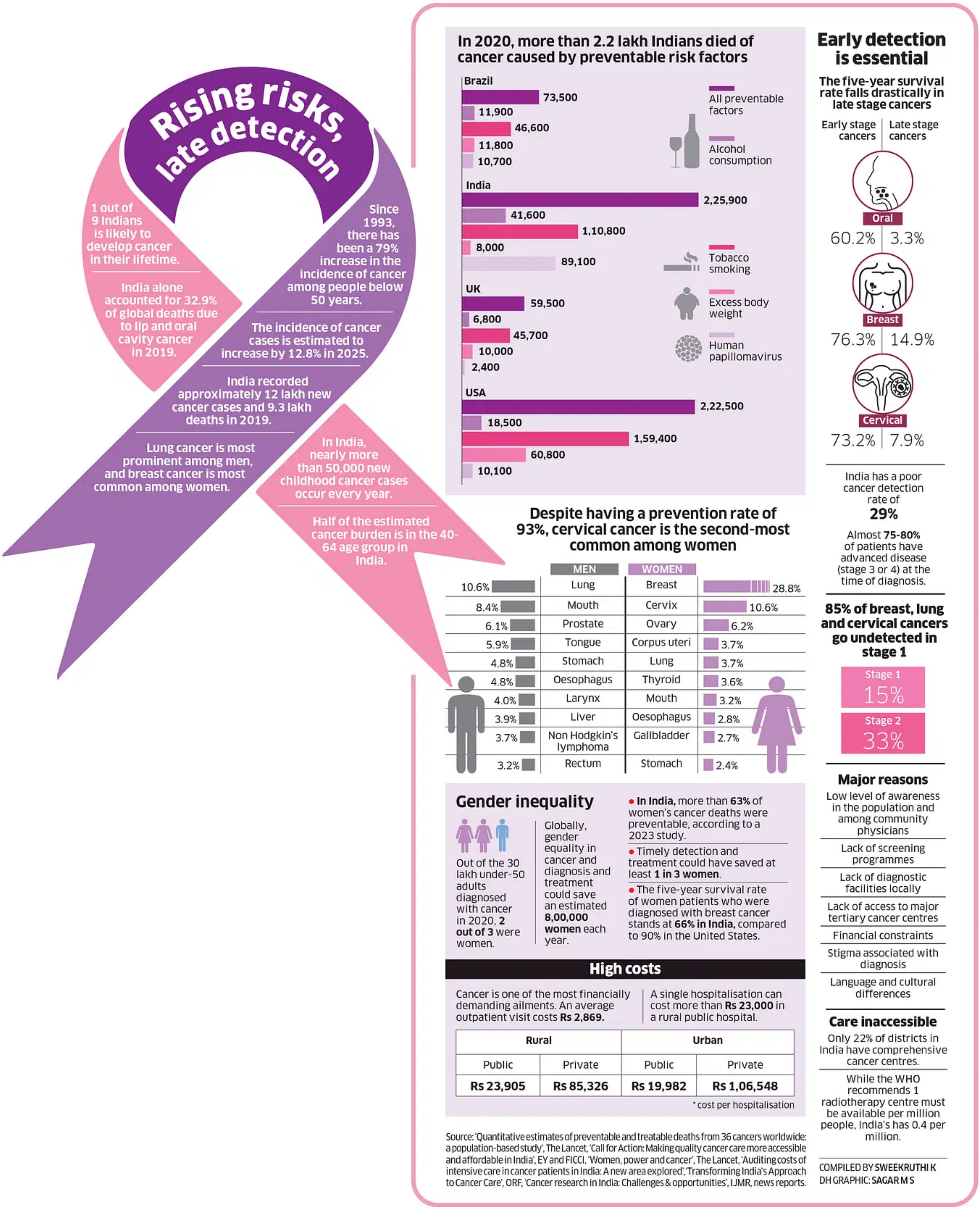

भारत में कैंसर नियंत्रण के लिये सरकार की क्या पहल हैं?

- **केंद्रीय बजट 2024-25** में सरकार ने कैंसर की तीन दवाइयों- **ट्रैस्टुज़ुमैब डेरक्सटेकन, ओसमिर्टनिबि और डुरवालुमैब को सीमा शुल्क** से छूट दी है।
- **अंतरमि बजट 2024-25** में **गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की रोकथाम** के लयि 9-14 वर्ष की आयु की लड़कयिों के टीकाकरण को प्रोत्साहति कयिा गया।
- कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम एवं नयिंत्रण के लयि राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPCDCS)
- राष्ट्रीय कैंसर ग्रडि
- राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दविस
- HPV वैक्सीन
- आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (AB-HWC)

भारत में कैंसर का शीघ्र पता लगाने पर नीतआियोग की रपिोर्ट की मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **कैंसर जाँच में कमी: नीतआियोग** की रपिोर्ट के अनुसार आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों (HWC) में**कैंसर जाँच में महत्त्वपूर्ण कमी है।**
  - इनमें से **10%** से भी कम केंद्रों द्वारा कैंसर सहति गैर-संक्रामक रोगों के लयि एक ही बार जाँच की गई थी।
- **स्क्रीनगि प्रथाएँ:**
  - **स्तन कैंसर:** स्क्रीनगि स्व-परीक्षण के माध्यम से की जाती है।
  - **ग्रीवा कैंसर:** स्क्रीनगि पूरी तरह से लागू नहीं की गई है।
  - **ओरल कैंसर:** स्क्रीनगि केस-दर-केस आधार पर की जाती है, जो दखिाई देने वाले लक्षणों पर नर्भिर करती है।
- **बुनयिादी अवसरंचना और संसाधन**: परचिालन दशिानर्दिेशों के अनुसार स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में बुनयिादी अवसरंचना, उपकरणों, दवाओं और नैदानकि परीक्षणों का अभाव था।
- **स्टाफ प्रशक्षिण और जागरूकता:** स्क्रीनगि वधियिों पर **सहायक नर्स मडिवाइफ (ANM) का प्रशक्षिण एवं नगिरानी** अपर्याप्त है।
  - इसके अतरिक्ति स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र के कर्मचारयिों में **उच्च रक्तचाप और मधुमेह** की वार्षकि जाँच की आवश्यकता के बारे में **जागरूकता सीमति** थी।

दृष्टमिेन्स प्रश्न:

प्रश्न. कैंसर नयिंत्रण रणनीतयिों में प्रारंभकि पहचान और जाँच के महत्त्व पर चर्चा कीजयि और रोग के बढ़ते बोझ को संबोधति करने में भारत की वर्तमान कैंसर नयिंत्रण नीतयिों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कीजयि।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न. भारत सरकार द्वारा चलाया गया 'मशिन इंद्रधनुष' कसिसे संबंधति है? (2016)

(a) बच्चों और गर्भवती महलिाओं का प्रतरिक्षण
(b) पूरे देश में स्मार्ट सटिकिा नर्माण
(c) बाहरी अंतरक्षि में पृथ्वी-सदृश ग्रहों के लए भारत की स्वयं की खोज
(d) नई शक्षिा-नीत

उत्तर: (a)

प्रश्न. कैंसर के ट्यूमर के इलाज के संदर्भ में साइबरनाइफ नामक एक उपकरण चर्चा में बना हुआ है। इस संदर्भ में नम्निलखिति में से कौन-सा कथन सही नहीं है? (2010)

(a) यह एक रोबोटकि इमेज़ गाइडेड सस्टिम है।
(b) यह वकिरिण की अत्यंत सटीक खुराक प्रदान करता है।
(c) इसमें सब-मलिीमीटर सटीकता प्राप्त करने की क्षमता है।
(d) यह शरीर में ट्यूमर के प्रसार को मैप कर सकता है।

उत्तर: (d)

प्रश्न. 'RNA अंतरक्षेप [RNA इंटरफेरेंस (RNAi)]' प्रौद्योगकिी ने पछिले कुछ वर्षों में लोकप्रयिता हासलि कर ली है। क्यों? (2019)

1. यह जीन अनभव्यिक्तकिरण (जीन साइलेंसगि) रोगोपचारों के वकिास में प्रयुक्त होता है।
2. इसे कैंसर की चकिति्सा में रोगोपचार वकिसति करने हेतु प्रयुक्त कयिा जा सकता है।
3. इसे हॉर्मोन प्रतस्थिापन रोगोपचार वकिसति करने हेतु प्रयुक्त कयिा जा सकता है।
4. इसे ऐसी फसल पादपों को उगाने के लयि प्रयुक्त कयिा जा सकता है, जो वषिाणु रोगजनकों के लयि प्रतरिोधी हो।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि।

(a) 1, 2 और 4
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) केवल 1 और 4

उत्तर: (a)

?????:

प्रश्न 1. अनुप्रयुक्त जैव-प्रौद्योगिकी में शोध तथा विकास संबंधी उपलब्धियाँ क्या हैं? ये उपलब्धियाँ समाज के निर्धन वर्गों के उत्थान में किस प्रकार सहायक होंगी? (2021)

प्रश्न 2. नैनो टेक्नोलॉजी से आप क्या समझते हैं? यह तकनीक स्वास्थ्य के क्षेत्र में किस प्रकार सहायता कर रही है? (2020)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rising-cancer-concerns